भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5261 का उत्तर

कोरोना के दौरान बंद की गई रेल सेवाओं को बहाल करना

5261. श्री दर्शन सिंह चौधरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की कोरोना काल के दौरान बंद की गई रेल सेवाओं को बहाल करने की कोई योजना है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार की यात्रियों की सुविधा के लिए लोकल ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ने की मंशा है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): अनुरक्षण गलियारे के सृजन, रेलगाड़ियों की गति बढ़ाकर आदि बेहतर यात्री संरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, आईआईटी-बॉम्बे की सहायता से वैज्ञानिक तरीके से समय-सारणी का युक्तिकरण किया गया, जिसमें रेलगाड़ी सेवाओं का युक्तिकरण शामिल था।

भारतीय रेल अपनी वहन क्षमता को बढ़ाने और यात्रियों के विभिन्न वर्गों के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराने के अपने निरंतर प्रयास में, मौजूदा सेवाओं में स्थायी और अस्थायी दोनों आधार पर सवारी डिब्बों को जोड़ती है। तदनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान, 71 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 872 सवारी डिब्बों का उपयोग स्थायी आधार पर रेलगाड़ी सेवाओं के संवर्द्धन के लिए किया गया है, जबकि वर्ष 2024-25 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान, 336 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 983 सवारी डिब्बों का उपयोग स्थायी संवर्द्धन के लिए किया गया है।

स्थान बढ़ाने और अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लाभ के लिए, चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में लगभग 1,200 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे जोड़े/प्रतिस्थापित किए गए हैं। गैर-एसी सवारी डिब्बों से यात्रा करने वाले यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने 17,000 सामान्य श्रेणी/स्लीपर श्रेणी के सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है।

वर्तमान में, रेल सेवाओं को चलाने के लिए लगभग 79,000 सवारी डिब्बों का उपयोग किया जा रहा है। विवरण निम्नानुसार है:

श्रेणी	सवारी डिब्बों की संख्या
सामान्य और गैर-एसी स्लीपर	~ 56,000 (कुल का 70%)
एसी सवारी डिब्बे	~ 23,000
कुल	~ 79,000

******